Re-Accredited 'B++' 2.86 CGPA by NAAC
VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY
University Campus, Udhna-Magdalla Road, SURAT - 395 007, Gujarat, India.
વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટી
યુનિવર્સિટી કેમ્પસ, ઉધના-મગદલ્લા રોડ, સુરત - ૩૯૫ ૦૦૭, ગુજરાત, ભારત.
Tel : +91 - 261 - 2227141 to 2227146, Toll Free : 1800 2333 011, Digital Helpline No.- 0261 2388888
E-mail : info@vnsgu.ac.in, Website : www.vnsgu.ac.in

–: પરિપત્ર :–

યુનિવર્સિટી સંલગ્ન વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની તમામ કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓને જણાવવાનું કે, શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૨૫–૨૬ થી અમલમાં આવનાર T.Y.B.A. Hindi Sem.-5 અને 6 Major, Minor, AEC, SEC અને પ્રથમ અને દ્વિતીય વર્ષ બાદ Exit થનાર વિદ્યાર્થીઓ માટે Vocational Exit Course For Certificate and Diploma Course નો અભ્યાસક્રમ હિન્દી વિષયની અભ્યાસ સમિતિના ચેરમેનશ્રીએ અભ્યાસ સમિતિ વતી મંજૂર કરી વિનયન વિદ્યાશાખાને કરેલ ભલામણ સ્વીકારી વિનયન વિદ્યાશાખાની તા.૨૮/૦૪/૨૦૨૫ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૦૬ થી કરેલ ભલામણ સ્વીકારી એકેડેમિક કાઉન્સિલની તા.૦૫/૦૫/૨૦૨૫ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૪૩ થી મંજુર કરેલ છે. જેનો અમલ કરવા આથી જાણ કરવામાં આવે છે.

બિડાણઃ ઉપર મુજબ

ક્રમાંકઃઓથો./પરિપત્ર/સિલેબસ/૧૧૮૨૭/૨૦૨૫
તા.૨૨–૦૫–૨૦૨૫

કુલસચિવ

પ્રતિ,
૧) યુનિવર્સિટી સંલગ્ન વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની સંલગ્ન તમામ કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓ.
.....આપશ્રીની કોલેજના સંબંધિત શિક્ષકોને જાણ કરી અમલ કરવા સારૂ.
૨) ડીનશ્રી, વિનયન વિદ્યાશાખા.
૩) પરીક્ષા નિયામકશ્રી, પરીક્ષા વિભાગ, વીર નર્મદ દ. ગુ. યુનિવર્સિટી, સુરત.
.....તરફ જાણ તેમજ અમલ સારૂ.

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय,सूरत

Program Name-T.Y.B.A. Hindi

As Per NEP - 2020

About programme:T.Y.B.A. Semester -5

Structure

Level Course	Course Category	Course Code	Course Title	Mark sheet Title in English	Teaching Hours /week		Exam Duration		Credit		Intarnal Marks		Extarnal Marks		ToTal	
					TH	PR	TH	PR	TH	PR	TH	PR	TH	PR	TH	PR
Major	HINDI MJ-11		MJ-11 भारतीय काव्य शास्त्र	BHARTIY KAVYASHASTRA	4	0	100	0	4	0	50	0	50	0	100	0
Major	HINDI MJ-12		MJ-12 हिंदी भाषा और लिपि	HINDI BHASHA AUR LIPI	4	0	100	0	4	0	50	0	50	0	100	0
Major	HINDI MJ-13		MJ-13 हिंदी साहित्य में भारतीय ज्ञान परंपरा	HINDI SAHITYA ME BHARATIY GYAN PARAMPARA	4	0	100	0	4	0	50	0	50	0	100	0
Minor	HINDI -4		आधुनिक हिंदी काव्य - महाप्रस्थान– नरेश महेता	Modern hindi poetry-Mahaaprasthaan -Naresh Maheta	4	0	100	0	4	0	50	0	50	0	100	0
Minor	HINDI -5		हिंदी नाटक-एक और द्रोणाचार्य–शंकर शेष	Hindi drama - Ek Aur Dronaachaary -Shankar Shesh	4	0	100	0	4	0	50	0	50	0	100	0
SEC	HINDI -5		हिंदी प्रत्यायन-कौशल	Skill Enhancement Course	2	0	50	0	2	0	25	0	25	0	50	0

M.M.

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय,सूरत

Program Name-T.Y.B.A. Hindi

As Per NEP - 2020

About programme:T.Y.B.A. Semester -6

Structure

Level Course	Course Category	Course Code	Course Title	Mark sheet Title in English	Teaching Hours /week		Exam Duration		Credit		Intarnal Marks		Extarnal Marks		ToTal	
					TH	PR	TH	PR	TH	PR	TH	PR	TH	PR	TH	PR
HINDI MJ-14	HINDI MJ-14	Major	MJ-14 साहित्य का स्वरुप एवं विधाएँ	SAHITYKA SVARUP EVAM VIDHAE	4	0	100	0	4	0	50	0	50	0	100	0
HINDI MJ-15	HINDI MJ-15	Major	MJ-15 हिंदी व्याकरण	HINDI VYAKRAN	4	0	100	0	4	0	50	0	50	0	100	0
HINDI MJ-16	HINDI MJ-16	Major	MJ-16 प्रयोजनमूलक हिंदी	PRAYOJAN MULAK HINDI	4	0	100	0	4	0	50	0	50	0	100	0
HINDI-6	HINDI -6	Minor	हिंदी उपन्यास - झाँसी की रानी – श्री वृंदावनलाल वर्मा	Hindi Novel- Jhaansee Kee Raanee – Shree Vrnndaavanalaal Varma	4	0	100	0	4	0	50	0	50	0	100	0
HINDI-5	HINDI -5	AEC	हिंदी भाषा सामर्थ्य और जीवन कौशल	Ability Enhancement Courses	2	0	50	0	2	0	25	0	25	0	50	0

M.M.

[Subject Code-2501001205010301]

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय,सूरत

Undergraduate Program in Hindi

Degree Corse(B.A.)

Semester-5 Hindi Major -11

सेमेस्टर-5, प्रश्नपत्र-11भारतीय काव्यशास्त्र

कोर्सकोड	Hindi - MJ-11
कोर्स शीर्षक	प्रश्नपत्र-11 भारतीय काव्यशास्त्र
कोर्स लेवल	300
क्रेडिट	4 क्रेडिट
टोटल इंगेजमेंट	4 Credits X 15 Hours=60 Hours
टीचिंग/सप्ताह	4 लेक्चर/सप्ताह
मिनिममवीक्स/ सेमेस्टर	15 (Including class work, Examination, Preparation, Holidays etc.)
प्रभावीवर्ष	2025-26 से
पाठ्यक्रम का उद्देश्य Purpose of Course/ Course Objective	1. विद्यार्थियों को भारतीय काव्य-चिंतन परंपरा का बोध कराना। 2. काव्य-चिंतन के विभिन्न संप्रदायों से अवगत कराना। 3. प्रतीक, मिथक, अलंकारों एवं छंदों की संरचना से परिचित कराना।
पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)	Co1. भारतीय काव्यशास्त्र की चिंतन परंपरा से अवगत हो सकेंगे। Co 2. काव्य समीक्षा की प्रद्धतियों में विभिन्न संप्रदाय के नियम का उपयोग कर सकेंगे। Co 3. पारंपरिक और आधुनिक काव्य-लक्षण, प्रतीक, मिथक, अलंकारों एवं छंदों की समझ समृद्ध होगी।
मैपिंग COs with PSOs	<table><tr><th></th><th>PSO1</th><th>PSO2</th><th>PSO3</th></tr><tr><td>CO1</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO2</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO3</td><td></td><td></td><td></td></tr></table>
Pre-requisite	HINDI
पाठ्यक्रम	इकाई-1 | 16

	अ.काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन,काव्य के प्रकार आ. काव्य-गुण, काव्य-दोष	
	इकाई-2 अ.रस, अलंकार, रीति, ध्वनि और वक्रोक्ति सिद्धांतों का सामान्य परिचय आ.शब्द-शक्ति का परिचय	16
	इकाई-3 प्रतीक और मिथकः स्वरूप और महत्व निम्नलिखित काव्या लंकारों के लक्षण और उदाहरण- शब्दालंकार- श्लेष, यमक, अनुप्रास और वक्रोक्ति। अर्थालंकार-उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, विभावना, मानवीकरण, अन्योक्ति।	14
	इकाई-4 छंद, लय और तुक-परिचय निम्नलिखित छंदों के लक्षण एवम् उदाहरण- शाब्दिकछंद-सवैया,धनाक्षरी,इंद्रवजा, मंदाक्रांता, वसंततिलका मात्रिक छंद- चोपाई,दोहा,सोरठ, रोला, छप्पय	14
अंक-विभाजन कुल गुण-50	प्रश्न-1.सभी इकाई से बहुविकल्पी प्रश्न(10)एक अंक का एक- बहुविकल्पी प्रश्न(10x 1= 10अंक) प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रत्र (14x 2 = 28अंक) प्रश्न-4. इकाई 3 और 4 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6x 2 = 12अंक)	
सहायक-ग्रंथ	1. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी-निर्मला जैन 2. रस-चितन के विविध आयाम-सं. आनंदप्रकाश दीक्षित 3. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना-डॉ. रामचंद्र तिवारी 4. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ. नगेन्द्र 5. रस-सिद्धांत-डॉ. नगेन्द्र 6. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्य-सिद्धांत-डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त 7. भारतीय काव्यशास्त्र-डॉ. अशोक शाह 8. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत-डॉ. मधु वसावा - डॉ. अशोक शाह (अमर प्रकाशन, मथुरा	
ई-लर्निंग स्त्रोत	1. https://cec.nic.in/cec/ 2. https://epathshala.nic.in/ 3. https://swayam.gov.in/	
शिक्षण प्रविधि	व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी, पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा	
मूल्यांकन पद्धति	50% CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation)-Formative& 50% SEE(Semester End Evaluation)Summative	

सेमेस्टर-5, प्रश्नपत्र-12,हिंदी भाषा औरलिपि

<table>
<tr><td>कोर्सकोड</td><td colspan="2">Hindi - MJ-12</td></tr>
<tr><td>कोर्स शीर्षक</td><td colspan="2">प्रश्नपत्र-12,हिंदी भाषा और लिपि</td></tr>
<tr><td>कोर्स लेबल</td><td colspan="2">300</td></tr>
<tr><td>क्रेडिट</td><td colspan="2">4 क्रेडिट</td></tr>
<tr><td>टोटलइंगेजमेंट</td><td colspan="2">4 Credits X 15 Hours=60 Hours</td></tr>
<tr><td>टीचिंग/सप्ताह</td><td colspan="2">4लेक्चर/सप्ताह</td></tr>
<tr><td>मिनिममवीक्स/ सेमेस्टर</td><td colspan="2">15(Including class work, Examination, Preparation, Holidays etc.)</td></tr>
<tr><td>प्रभावीवर्ष</td><td colspan="2">2025-26 से</td></tr>
<tr><td>पाठ्यक्रम का उद्देश्य
Purpose of Course/ Course Objective</td><td colspan="2">1.हिंदी भाषा के उद्भव और विकास तथा हिंदी की विभिन्न बोलियों से परिचित कराना ।
2. भारतकी बहुभाषिकता और राजभाषा की अवधारणा से परिचित कराना।
3. राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना।</td></tr>
<tr><td>पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)</td><td colspan="2">Co 1.विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के ऐतिहासिक विकास क्रम तथा हिंदी की विभिन्न बोलियों का ज्ञान प्राप्त होगा।
Co 2.विद्यार्थी भारत की बहुभाषिकता और राजभाषा की अवधारणा से परिचित होंगे।
Co 3.विद्यार्थी राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति से अवगत हो सकेंगे।</td></tr>
<tr><td>मैपिंग COs with PSOs</td><td colspan="2"><table><tr><td></td><td>PSO1</td><td>PSO2</td><td>PSO3</td></tr><tr><td>CO1</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO2</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO3</td><td></td><td></td><td></td></tr></table></td></tr>
<tr><td>Pre-requisite</td><td colspan="2">HINDI</td></tr>
<tr><td>पाठ्यक्रम</td><td>इकाई-1 1.वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत एवम् अपभ्रंश का सामान्य परिचय।
2. आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का सामान्य परिचय
3. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास
4. हिंदी की उपभाषाएँ एवम् बोलियों।</td><td>16</td></tr>
</table>

	इकाई-2 1. प्रशासन-व्यवस्था और भाषा 2. भारत की बहुभाषिकता और एक संपर्क भाषा की आवश्यकता 3. राजभाषा (कार्यालयी हिंदी) की प्रकृति	16
	इकाई-3. 1. हिंदी कम्प्यूटीकरण 2. भूमंडलीकरण के परिपेक्ष्य में हिंदी का भविष्य।	14
	इकाई-4 राजभाषा विषयक सांविधानिक प्रावधान- अ. राजभाषा-प्रावधान (अनुच्छेद ३४३ से ३५१), आ. राष्ट्रपति के आदेश (१९५२, १९५५, १९६०) इ. राजभाषा अधिनियम १९६३ (यथा संशोधित १९६७) ई. राजभाषा संकल्प (१९६८) उ. राजभाषा नियम १९७६	14
अंक-विभाजन कुल गुण-50	प्रश्न-1. सभी इकाई से बहुविकल्पी प्रश्न(10)एक अंक का एक- बहुविकल्पी प्रश्न (10x 1= 10 अंक प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रत्र (14 x 2 = 28 अंक) प्रश्न-4. इकाई 3 और 4 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6 x 2 = 12अंक)	
सहायक-ग्रंथ	1. हिंदी भाषा का इतिहास-डॉ. भोलानाथ तिवारी 2. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास-उदयनारायण तिवारी 3. राजभाषा हिंदीः प्रगति और प्रयाण-सं.इकबाल अहमद 4. मानक हिंदी व्याकरण-पृथ्वीनाथ पांडेय 5. प्रयोजनपरक हिंदी-सूर्यप्रसाद दीक्षित-योगेन्द्र प्रताप सिंह 6. राजभाषा हिंदी-कैलाशचंद्र भाटिया 7. राजभाषा का स्वरूप-कैलाशचंद्र भाटिया 8. हिंदी भाषा और भाषा-विज्ञान-डॉ. अशोक शाह (अमर प्रकाशन, मथुरा) 9. सरल भाषा-विज्ञान-डॉ. अशोक शाह (वर्तिका प्रकाशन, नई दिल्ली)	
ई-लर्निंगस्रोत	1. https://cec.nic.in/cec/ 2. https://epathshala.nic.in/ 3. https://swayam.gov.in/	
शिक्षण प्रविधि	व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा	
मूल्यांकन पद्धति	50% CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation)-Formative& 50% SEE(Semester End Evaluation)Summative	

प्रश्नपत्र-13 हिंदी साहित्य में भारतीय ज्ञान परंपरा

<table>
<tr><td>कोर्सकोड</td><td colspan="2">Hindi - MJ-13</td></tr>
<tr><td>कोर्स शीर्षक</td><td colspan="2">प्रश्नपत्र-13 हिंदी साहित्य में भारतीय ज्ञान परंपरा</td></tr>
<tr><td>कोर्स लेबल</td><td colspan="2">300</td></tr>
<tr><td>क्रेडिट</td><td colspan="2">4 क्रेडिट</td></tr>
<tr><td>टोटलइंगेजमेंट</td><td colspan="2">4 Credits X 15 Hours=60 Hours</td></tr>
<tr><td>टीचिंग/सप्ताह</td><td colspan="2">4लेक्चर/सप्ताह</td></tr>
<tr><td>मिनिममवीक्स/ सेमेस्टर</td><td colspan="2">15(Including class work, Examination, Preparation, Holidays etc.)</td></tr>
<tr><td>प्रभावीवर्ष</td><td colspan="2">2025-26 से</td></tr>
<tr><td>पाठ्यक्रम का उद्देश्य Purpose of Course/ Course Objective</td><td colspan="2">1.भारतीय गौरवशाली परंपरा का ज्ञान प्रदान कराना।
2.रामचरितमानस और श्रीमद्भगवद् गीता ग्रंथ में निहित नैतिक मूल्यों तथा ज्ञान-योग, कर्म-योग,भक्तियोग का ज्ञान प्रदान करना।
3.महाभारत ग्रंथ में निहित गुरु – शिष्य परंपरा एवं भारतीय वीरांगनाओं से परिचित कराना।</td></tr>
<tr><td>पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)</td><td colspan="2">Co 1.विद्यार्थी भारतीय गौरवशाली ज्ञान परंपरा से परिचित होंगे।
Co 2.विद्यार्थी रामचरित मानस और श्रीमद्भगवद् गीता ग्रंथ में निहित नैतिक मूल्यों तथा ज्ञान-योग, कर्म-योग,भक्ति-योग के ज्ञान से अवगत होंगे।
Co 3.विद्यार्थी महाभारत ग्रंथ में निहित गुरु – शिष्य परंपरा एवं भारतीय वीरांगनाओं के योगदान को आत्मसात कर सकेंगे।</td></tr>
<tr><td>मैपिंग COs with PSOs</td><td colspan="2"><table><tr><td></td><td>PSO1</td><td>PSO2</td><td>PSO3</td></tr><tr><td>CO1</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO2</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO3</td><td></td><td></td><td></td></tr></table></td></tr>
<tr><td>Pre-requisite</td><td colspan="2">HINDI</td></tr>
<tr><td rowspan="2">पाठ्यक्रम</td><td>इकाई-1 १.१ अयोध्याकांड का कथ्य
१.२ अयोध्याकांड: पारिवारिक आदर्श
१.३ अयोध्याकांड में प्रारब्ध और पुरुषार्थ
१.४ अयोध्याकांड में राम का चरित्र
१.५ अयोध्याकांड में लक्ष्मण का चरित्र</td><td>16</td></tr>
<tr><td>इकाई-2 १. श्रीमद्भगवद् गीता का कर्म-योग
२.१.१कर्म का चरित्र पर प्रभाव
२.१.२ मनुष्य मात्र महान है</td><td>16</td></tr>
</table>

	२.१.३ कर्म का रहस्य –नि:स्वार्थ परोपकार २.१.४ कर्तव्य **२. श्रीमद्भगवद् गीता का भक्ति-योग** २.२.१ भक्ति के लक्षण २.२.२ ईश्वर का स्वरूप २.२.३ गुरू की उपयोगिता २.२.४ गुरू शिष्य के लक्षण	
	इकाई-3 महाभारत पर आधारित गुरु शिष्य संबंध ३.१ कर्ण-परशुराम ३.२ पांडव कौरव-गुरु द्रोणाचार्य ३.३ एकलव्य-गुरु द्रोणाचार्य ३.४ कृष्ण, सुदामा –संदीपनि	14
	इकाई-4 १.भारतीय विरांगनाएँ(सती, सावित्री,सीता, कुंती, द्रोपदी) २. भारतीय ज्ञान परम्परा में ब्रह्मानंद, प्रेमानंद, मुक्तानंद का हिंदी साहित्य में योगदान	14
अंक-विभाजन कुल गुण-50	प्रश्न-1. इकाई 1 से बहुविकल्पी प्रश्न(10) एक अंक का एक- बहुविकल्पी प्रश्न (10x 1= 10 अंक) प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रत्र (14 x 2 = 28 अंक) प्रश्न-4. इकाई 3 से एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6 x1 = 6अंक) इकाई 4 से एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6 x1 = 6अंक)	
सहायक-ग्रंथ	1. हिंदु धर्म परिचय-दिनेश गुप्त 2. रामचरित मानस- गोस्वामी तुलसीदास 3. अयोध्याकांड –गोस्वामी तुलसीदास 4. श्रीमद्भगवद् गीता -डॉ. अनूपचंद्र भायाणी 5. कर्म-योग- स्वामी विवेकानंद अनुवादक-श्री रामविलास शर्मा 6. भक्ति-योग- स्वामी विवेकानंद अनुवादक-श्री आदित्य शर्मा 7. महाभारत-स्वामी हरिहरानंद मंण्डलेश्वर	
ई-लर्निंगस्रोत	1. https://cec.nic.in/cec/ 2. https://epathshala.nic.in/ 3. https://swayam.gov.in/	
शिक्षण प्रविधि	व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा	
मूल्यांकन पद्धति	50% CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation)-Formative& 50% SEE(Semester End Evaluation)Summative	

[Subject-2501001206010301]

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय,सूरत

Undergraduate Program in Hindi

Degree Course(B.A.)

Semester-6 Hindi Major -14

सेमेस्टर-6

प्रश्नपत्र-14 साहित्य का स्वरुप एवं विधाएँ

कोर्सकोड	Hindi - MJ-14
कोर्स शीर्षक	प्रश्नपत्र-14 साहित्य का स्वरुप एवं विधाएँ
कोर्स लेबल	300
क्रेडिट	4 क्रेडिट
टोटलइंगेजमेंट	4 Credits X 15 Hours=60 Hours
टीचिंग/सप्ताह	4लेक्चर/सप्ताह
मिनिममवीक्स/ सेमेस्टर	15(Including class work, Examination, Preparation, Holidays etc.)
प्रभावीवर्ष	2025-26 से
पाठ्यक्रम का उद्देश्य Purpose of Course/ Course Objective	1.साहित्य की अवधारणातथा साहित्य और समाज के सम्बन्ध का समुचित ज्ञान कराना । 2.विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के विभिन्न विधाओं से परिचित कराना। 3. कविता एवं गद्य के विभिन्न रूपों का उद्भव एवं विकास का ज्ञान कराना।
पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)	Co 1.विद्यार्थी साहित्य की अवधारणा तथा साहित्य और समाज के सम्बन्ध से परिचित हो सकेंगे। Co 2.विद्यार्थी को हिंदी साहित्य के विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे। Co 3.विद्यार्थियों को कविता एवं गद्य के विभिन्न रूपों काउद्भव एवं विकास का ज्ञान प्राप्त होगा।
मैपिंग COs with PSOs	<table><tr><th></th><th>PSO1</th><th>PSO2</th><th>PSO3</th></tr><tr><td>CO1</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO2</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO3</td><td></td><td></td><td></td></tr></table>
Pre-requisite	HINDI
पाठ्यक्रम	इकाई-1 1. साहित्यः परिभाषा, साहित्य और समाज 2. कविताः परिभाषा, कविता-तत्व, कविताः प्रकार (प्रबंध और प्रगीत) — 16

	इकाई-2 3. समालोचनाः स्वरूप, समालोचनाः प्रकार, आलोचक के गुण 4. उपन्यासः परिभाषा, तत्त्व और प्रकार। 5. नाटकः परिभाषा, तत्त्व और प्रकार।	16
	इकाई-3 6. कहानीः परिभाषा, तत्त्व और प्रकार। 7. निबंधः परिभाषा, तत्त्व और प्रकार।	14
	इकाई-4 8. प्रमुख हिंदी आलोचकः परिचयात्मक अध्ययन एवम् योगदान- 1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल 2. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी 3. डॉ. नंददुलारे वाजपेयी 4. डॉ. रामविलास शर्मा।	14
अंक-विभाजन कुल गुण-50	प्रश्न-1. बहुविकल्पी प्रश्न (10) एक अंक का एक- बहुविकल्पी प्रश्न (10x 1= 10 अंक) प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रत्र (14 x 2 = 28 अंक) प्रश्न-4. इकाई 3 और 4 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6 x 2 = 12 अंक)	
सहायक-ग्रंथ	१. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन-सं. निर्मला जैन २. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी-निर्मला जैन ३. रस-चितन के विविध आयाम-सं. आनंदप्रकाश दीक्षित ४. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना-डॉ. रामचंद्र तिवारी ५. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ. नगेन्द्र ६. रस-सिद्धांत-डॉ.नगेन्द्र ७. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ. भगीरथ मिश्र ८. साहित्य के प्रमुख पक्ष-डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी ९. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्य-सिद्धांत-डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त १०. मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना-डॉ. शशिभूषण पांडेय ११. शास्त्रवादी और स्वच्छंदतावादी साहित्यादर्श और समीक्षा प्रणाली- पी. वासवदत्ता १२. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत-डॉ. मधु वसावा-डॉ. अशोक शाह (अमर प्रकाशन, मथुरा) १३. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ. विजयपाल सिंह	
ई-लर्निंगस्रोत	1. https://cec.nic.in/cec/ 2. https://epathshala.nic.in/ 3. https://swayam.gov.in/	
शिक्षण प्रविधि	व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा	
मूल्यांकन पद्धति	50% CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation)-Formative& 50% SEE(Semester End Evaluation)Summative	

प्रश्नपत्र-15 हिंदी व्याकरण

कोर्सकोड	Hindi - MJ-15	
कोर्स शीर्षक	प्रश्नपत्र-15 हिंदी व्याकरण	
कोर्स लेबल	300	
क्रेडिट	4 क्रेडिट	
टोटलइंगेजमेंट	4 Credits X 15 Hours=60 Hours	
टीचिंग/सप्ताह	4लेक्चर/सप्ताह	
मिनिममवीक्स/ सेमेस्टर	15(Including class work, Examination, Preparation, Holidays etc.)	
प्रभावीवर्ष	2025-26 से	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य Purpose of Course/ Course Objective	1.विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के स्वरूप और व्याकरण से परिचय कराना। 2.भाषा के व्याकरणिक रूप वर्ण-विचार,शब्द-विचार के वर्गीकरण का परिचय देना। 3.संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, लिंग एवं वचन आदि के व्याकरणिक नियमों की आधारभूत जानकारी देना।	
पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)	Co 1.हिंदी भाषा और व्याकरण के संबंध का परिचय प्राप्त होगा। Co 2.हिंदी भाषा के व्याकरणिक रूपवर्ण-विचार,शब्द-विचार की समझ विकसित होगी। Co 3.विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, लिंग एवं वचन आदि के व्याकरणिक नियमों की आधारभूत जानकारी प्राप्त करेंगे।	
मैपिंग COs with PSOs	PSO1 / PSO2 / PSO3 CO1 CO2 CO3	
Pre-requisite	HINDI	
पाठ्यक्रम	**इकाई-1** 1. वर्ण-विचारः वर्णमाला, वर्णों का उच्चारण एवम् वर्गीकरण, 2. उत्पत्ति, जाति एवम् उच्चारण के अनुसार स्वरों के भेदः मूल और संधि 3. व्यंजन-स्पर्श व्यंजन, बाह्य प्रयत्न के अनुसार भेद। 4. शब्द की परिभाषा एवम् शब्दों का वर्गीकरण	16
	इकाई-2 1. संज्ञाः परिभाषा एवम् भेद 2. सर्वनाम : परिभाषा एवम् भेद 3. विशेषण की परिभाषा एवम् प्रकार	16
	इकाई-3 1. क्रिया की परिभाषा एवम् प्रकार 2. कारक का परिचय।	14

	3. क्रिया के काल-परिचय एवम् प्रकार।	
	इकाई-4 1. लिंग एवम् वचन का परिचय।	14
अंक-विभाजन कुल गुण-50	प्रश्न-1. बहुविकल्पी प्रश्न(10) एक अंक का एक- बहुविकल्पी प्रश्न (10x 1= 10 अंक) प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रत्र (14 x 2 = 28 अंक) प्रश्न-4. इकाई 3 और 4 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6 x 2 = 12 अंक)	
सहायक-ग्रंथ	१. हिंदी व्याकरण-पं. कामताप्रसाद गुरू, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी २. हिंदी व्याकरण मीमांसा-काशीराम शर्मा 3. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण-डॉ. हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 4. हिंदी रूप-रचना भाग-1-2- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद	
ई-लर्निंगस्रोत	1. https://cec.nic.in/cec/ 2. https://epathshala.nic.in/ 3. https://swayam.gov.in/	
शिक्षण प्रविधि	व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा	
मूल्यांकन पद्धति	50% CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation)-Formative& 50% SEE(Semester End Evaluation)Summative	

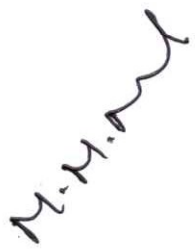

[Subject Code-2501001206030303]

प्रश्नपत्र-16 प्रयोजनमूलक**हिंदी**

<table>
<tr><td>कोर्सकोड</td><td colspan="2">Hindi - MJ-16</td></tr>
<tr><td>कोर्स शीर्षक</td><td colspan="2">प्रश्नपत्र-16 प्रयोजनमूलकहिंदी</td></tr>
<tr><td>कोर्स लेबल</td><td colspan="2">300</td></tr>
<tr><td>क्रेडिट</td><td colspan="2">4 क्रेडिट</td></tr>
<tr><td>टोटलइंगेजमेंट</td><td colspan="2">4 Credits X 15 Hours=60 Hours</td></tr>
<tr><td>टीचिंग/सप्ताह</td><td colspan="2">4लेक्चर/सप्ताह</td></tr>
<tr><td>मिनिममवीक्स/ सेमेस्टर</td><td colspan="2">15(Including class work, Examination, Preparation, Holidays etc.)</td></tr>
<tr><td>प्रभावीवर्ष</td><td colspan="2">2025-26 से</td></tr>
<tr><td>पाठ्यक्रम का उद्देश्य
Purpose of Course/ Course Objective</td><td colspan="2">1.प्रयोजनमूलक हिंदी की समझ और प्रशासनिक पत्राचार में दक्षता विकसित कराना।
2.हिंदी में मीडिया लेखन और संचार उपकरणों के उपयोग को समझाना।
3.जनसंचार और मीडिया लेखन(संवाद लेखन, रेडियो लेखन, और विज्ञापन लेखन की सटीक और प्रभावी विधियों को समझाना।</td></tr>
<tr><td>पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम
(Course Learning Outcomes)</td><td colspan="2">Co 1.विद्यार्थी प्रशासनिक और व्यावसायिक पत्राचार में सटीक और प्रभावी हिंदी का प्रयोग करने में सक्षम होंगे।
Co 2. विद्यार्थी जनसंचार माध्यमों का प्रभावी उपयोग करने में निपुण होंगे।
Co 3.विद्यार्थी समाचार लेखन, विज्ञापन लेखन, संवाद लेखन और रेडियो लेखन में दक्ष होंगे और मीडिया में प्रभावी सामग्री तैयार करने में सक्षम होंगे।</td></tr>
<tr><td>मैपिंग
COs with PSOs</td><td colspan="2"><table><tr><td></td><td>PSO1</td><td>PSO2</td><td>PSO3</td></tr><tr><td>CO1</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO2</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO3</td><td></td><td></td><td></td></tr></table></td></tr>
<tr><td>Pre-requisite</td><td colspan="2">HINDI</td></tr>
<tr><td rowspan="2">पाठ्यक्रम</td><td>इकाई-1
प्रयोजनमूलकहिंदीः अभिप्राय और उसकी परिव्याप्ति
प्रयोजनमूलक हिंदीः प्रयुक्तियाँ औरउसके प्रयोगात्मक क्षेत्र
रोजगार के क्षेत्र में प्रयोजनमूलक हिंदीकीसंभावनाएँ।
हिंदी के संवर्धन में प्रयोजनमूलक हिंदी की भूमिका।</td><td>16</td></tr>
<tr><td>इकाई-2
प्रशासनिक पत्राचार और उसके प्रकार
कार्यालयीप्रयोजनों में विभिन्न यांत्रिक उपकरणों का प्रयोग
कम्प्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट, टेली प्रिंटर, टेलेक्स, वीडियो कान्फ्रेंसिंग</td><td>16</td></tr>
</table>

	इकाई-3 हिंदी में मीडिया लेखन जनसंचार माध्यमः अभिप्राय, स्वरूप और विस्तार जनसंचार माध्यमों के प्रकार।	14
	इकाई-4 समाचार-लेखन और हिंदी संवाद-लेखन और हिंदी रेडियो-लेखन और हिंदी विज्ञापन-लेखन।	14
अंक-विभाजन कुल गुण-50	प्रश्न-1. बहुविकल्पी प्रश्न (10) एक अंक का एक- बहुविकल्पी प्रश्न (10x 1= 10 अंक) प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रत्र (14 x 2 = 28 अंक) प्रश्न-4. इकाई 3 और 4 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6 x 2 = 12 अंक)	
सहायक-ग्रंथ	1. अनुवाद-बोध - डॉ. गार्गी गुप्त 2. अनुवाद-विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी 3. जनसंचारः विविध आयाम- ब्रजमोहन गुप्त 4. मीडिया और साहित्य- सुधीश पचौरी 5. व्यावहारिक अनुवाद- डॉ.एन.ई. विश्वनाथ ऐयर 6. प्रयोजनपरक हिंदी- प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित एवम् डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह 7. प्रयोजनमूलक हिंदीः विविध आयाम माया सिंह 8. प्रयोजन मूलक हिंदी का अध्ययन- डॉ. सुशीला गुप्ता	
ई-लर्निंगस्रोत	1. https://cec.nic.in/cec/ 2. https://epathshala.nic.in/ 3. https://swayam.gov.in/	
शिक्षण प्रविधि	व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा , श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा	
मूल्यांकन पद्धति	50% CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation)-Formative& 50% SEE(Semester End Evaluation)Summative	

[Subject Code-2501001205060306]

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय,सूरत
तृतीय वर्ष बी.ए.
सेमेस्टर-5
प्रश्नपत्र-5 हिंदी प्रत्यायन-कौशल (अनिवार्य)
Skill Enhancement Course

कोर्सकोड	
कोर्स शीर्षक	प्रश्नपत्र-5 हिंदी प्रत्यायन-कौशल (अनिवार्य) Skill Enhancement Course
कोर्स लेबल	-
क्रेडिट	2 क्रेडिट
टोटलइंगेजमेंट	2 Credits X 15 Hours=30 Hours
टीचिंग/सप्ताह	2 लेक्चर/सप्ताह
मिनिममवीक्स/ सेमेस्टर	15(Including class work, Examination, Preparation, Holidays etc.)
प्रभावीवर्ष	2025-26 से
पाठ्यक्रम का उद्देश्य Purpose of Course/ Course Objective	1.विद्यार्थियों कोउद्यमिता के क्षेत्र में आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान कराना। 2. विद्यार्थियों को योग के सिद्धांतों और महत्त्व से अवगत कराना।
पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)	Co 1.विद्यार्थी उद्यमिता के क्षेत्र में आवश्यक दक्षताएं हासिल करेंगे, जिससे उन्हें पेशेवर जीवन के लिए एक मजबूत आधार प्राप्त होगा। Co 2.विद्यार्थी योग के सिद्धांतों और अभ्यासों के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सक्षम होंगे।
मैपिंग COs with PSOs	<table><tr><th></th><th>PSO1</th><th>PSO2</th><th>PSO3</th></tr><tr><td>CO1</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO2</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO3</td><td></td><td></td><td></td></tr></table>
Pre-requisite	HINDI
पाठ्यक्रम	**इकाई-1** उद्यमिता: अर्थ एवं परिभाषा, अवधारणा, आवश्यकता उद्यमी के लक्षण एवं प्रकार उद्यमिताका विकास उद्यमिता विकास के सामाजिक निर्धारक — 15

	नये उद्यम प्रबंध के मुद्दे लघु और मध्यम उद्योग	
	इकाई-2 योगकी परिभाषा, योग के अंग, योग का अर्थ, योगासन: महत्व, नियम और वर्गीकरण	15
अंक-विभाजन कुल गुण-25	प्रश्न: 1 इकाई-१ से बहुविकल्पी प्रश्न (10अंक) एक अंक का एक- बहुविकल्पी प्रश्न (10x 1= 10 अंक) प्रश्न: 2 इकाई 1 और 2 से एक आलोचनात्मक प्रश्न(15 x 1=15अंक) अथवा प्रश्न: 2 इकाई 1और 2से (अ) टिप्पणी का प्रश्न(08 x 01=08 अंक) (ब) टिप्पणी का प्रश्न(07 x 01=07 अंक)	
सहायक-ग्रंथ	1. योगासन- डॉ. पी.डी.शर्मा 2. योग- पतंजली 3 भारतीय अर्थ व्यवस्था-वी.के.मिश्रा ४. अंतर्राष्ट्रीय व्यापर एवं वित्त- बी.एल.ओझा ५. व्यावसायिक नियम व्यवस्था-नवलखा माधुर	
ई-लर्निंगस्रोत	1. https://cec.nic.in/cec/ 2. https://epathshala.nic.in/ 3. https://swayam.gov.in/	
शिक्षण प्रविधि	व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा	
मूल्यांकन पद्धति	50% CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation)-Formative& 50% SEE(Semester End Evaluation)Summative	

[Subject Code-2501001206050305]

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय,सूरत

तृतीय वर्ष बी.ए.

सेमेस्टर-6

प्रश्नपत्र-5 हिंदी भाषा और जीवन-कौशल (अनिवार्य)

Ability Enhancement Courses

कोर्सकोड		
कोर्स शीर्षक	प्रश्नपत्र-5हिंदी भाषा और जीवन-कौशल (अनिवार्य) Ability Enhancement Courses	
कोर्स लेबल	-	
क्रेडिट	2 क्रेडिट	
टोटलइंगेजमेंट	2 Credits X 15 Hours=30 Hours	
टीचिंग/सप्ताह	2लेक्चर/सप्ताह	
मिनिममवीक्स/ सेमेस्टर	15(Including class work, Examination, Preparation, Holidays etc.)	
प्रभावीवर्ष	2025-26 से	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य Purpose of Course/ Course Objective	1.छात्रों को अनुवाद की परिभाषा, प्रकार, सिद्धांत और महत्व से परिचित कराना। 2.अनुवाद की कला, विज्ञान और शिल्प को समझने के लिए व्यावसायिक दृष्टिकोण प्रदान कराना।	
पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)	Co 1. विद्यार्थी अनुवाद के विभिन्न प्रकार और सिद्धांतों को समझ सकेंगे । Co 2. विद्यार्थी अनुवाद के व्यावसायिक अवसरों को जानेंगे और बैंकिंग अनुवाद में आने वाली समस्याओं का समाधान कर पाएंगे।	
मैपिंग COs with PSOs	(see mapping table below)	
Pre-requisite	HINDI	
पाठ्यक्रम	**इकाई-1** अनुवादकी परिभाषा, अनुवाद का अर्थ, अनुवाद का स्वरूप और महत्व । अनुवादके प्रकार और विभिन्न सिद्धांत।	15
	इकाई-2	15

	PSO1	PSO2	PSO3
CO1			
CO2			
CO3			

	अनुवाद कला, विज्ञान या शिल्प अनुवाद की व्यावसायिक संभवनाएँ बैंकिंग अनुवाद में समस्याएँ	
अंक-विभाजन कुल गुण-25	प्रश्न: 1 बहुविकल्पी प्रश्न (10अंक) एक अंक का एक- बहुविकल्पी प्रश्न (10x 1= 10 अंक) प्रश्न: 2इकाई 1 और 2 से एक आलोचनात्मक प्रश्न(15 x 1=15अंक) अथवा प्रश्न: 2 इकाई 1और 2से (अ) टिप्पणी का प्रश्न(08 x 01=08 अंक) (ब) टिप्पणी का प्रश्न(07 x 01=07 अंक)	
सहायक-ग्रंथ	1. अनुवाद-बोध - डॉ. गार्गी गुप्त 2. अनुवाद-विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी 3.अनुवाद सिद्धांत की रुपरेखा-डॉ.सुरेश कुमार 4. अनुवाद के भाषिक पक्ष-विभा गुप्ता 5. अनुवाद विज्ञान सिद्धांत एवं प्रविधि-भोलानाथ तिवारी 6.अनुवाद विज्ञान स्वरुप और समस्याएँ-डॉ.राम गोपाल सिंह	
ई-लर्निंगस्रोत	1. https://cec.nic.in/cec/ 2. https://epathshala.nic.in/ 3. https://swayam.gov.in/	
शिक्षण प्रविधि	व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा	
मूल्यांकन पद्धति	50% CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation)-Formative& 50% SEE(Semester End Evaluation)Summative	

[Subject Code-2501001205040304]

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय,सूरत

Undergraduate Program in Hindi
Degree Course(B.A.)
Semester-5 Hindi Minor -4

सेमेस्टर-5

प्रश्नपत्र-4 आधुनिक हिंदी काव्य - महाप्रस्थान– नरेश महेता

कोर्सकोड	
कोर्स शीर्षक	प्रश्नपत्र-4 महाप्रस्थान– नरेश महेता
कोर्स लेबल	200
क्रेडिट	4 क्रेडिट
टोटलइंगेजमेंट	4 Credits X 15 Hours=60 Hours
टीचिंग/सप्ताह	4लेक्चर/सप्ताह
मिनिममवीक्स/ सेमेस्टर	15(Including class work, Examination, Preparation, Holidays etc.)
प्रभावीवर्ष	2025-26 से
पाठ्यक्रम का उद्देश्य Purpose of Course/ Course Objective	1.भारतीय साहित्य में काव्य के उद्भव और विकास को समझाना । 2. नरेश महेता के व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय देना। 3. 'महाप्रस्थान' के काव्य स्वरूप, कथावस्तु, पात्रों और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं का विश्लेषण प्रस्तुत कराना।
पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)	Co 1. विद्यार्थी भारतीय काव्य और 'महाप्रस्थान' के महत्व को समझेंगे। Co 2. विद्यार्थी नरेश महेता के काव्य की गहराई, उसकी कथा संरचना, पात्रों के चरित्र और संवाद-योजना का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। Co 3. विद्यार्थी 'महाप्रस्थान' के उद्देश्य और शीर्षक की सार्थकता को समझ सकेंगे।
मैपिंग COs with PSOs	(see mapping table below)
Pre-requisite	HINDI
पाठ्यक्रम	**इकाई-1** भारतीय साहित्य में काव्य का उद्भव और विकास नरेश महेता: व्यक्तित्व एवं कृतित्व 'महाप्रस्थान' : काव्य स्वरूप 'महाप्रस्थान' : कथावस्तु — 16

	PSO1	PSO2	PSO3
CO1			
CO2			
CO3			

	इकाई-2 'महाप्रस्थान'एक समस्या-प्रधान खण्डकाव्य 'महाप्रस्थान' का स्वर्ग पर्व 'महाप्रस्थान' के प्रमुख पात्र: युधिष्ठिर, द्रौपदी, भीम, अर्जुन	16
	इकाई-3 'महाप्रस्थान' के गौण पात्र 'महाप्रस्थान' का यात्रा पर्व 'महाप्रस्थान' का स्वाहा पर्व	14
	इकाई-4'महाप्रस्थान'में संवाद-योजना 'महाप्रस्थान' का उद्देश्य 'महाप्रस्थान' :शीर्षक की सार्थकता	14
अंक-विभाजन कुल गुण-50	प्रश्न-1. बहुविकल्पी प्रश्न (10) एक अंक का एक- बहुविकल्पी प्रश्न (10x 1= 10 अंक) प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रत्र (14x 2 = 28अंक) प्रश्न-4. (अ) इकाई 3 और 4 से एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6x1 = 6अंक) (ब) पठित काव्य से एक संदर्भ व्याख्या का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6x1 = 6अंक)	
सहायक-ग्रंथ	1.महाप्रस्थान- नरेशमहेता 2. नरेश महेता: कविता की ऊर्ध्व-यात्रा –डॉ.राजलकमल राय 3.नरेश महेता: एकांत शिखर–प्रमोद त्रिवेदी 4.हिंदी राम काव्य नये संदर्भ- डो.प्रेमिला अवस्थी 5.हिंदी साहित्य में रूपक-कथा-काव्य:उद्भव और विकास-डॉ.नूरजहाँ बेगम 6.आधुनिकता से आगे श्री नरेश महेता –मीरा श्री वास्तव	
ई-लर्निंगस्रोत	1. https://cec.nic.in/cec/ 2. https://epathshala.nic.in/ 3. https://swayam.gov.in/	
शिक्षण प्रविधि	व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा	
मूल्यांकन पद्धति	50% CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation)-Formative& 50% SEE(Semester End Evaluation)Summative	

सेमेस्टर-5

प्रश्नपत्र-5 हिंदी नाटक - एक और द्रोणाचार्य–शंकर शेष

<table>
<tr><td>कोर्सकोड</td><td></td></tr>
<tr><td>कोर्स शीर्षक</td><td>प्रश्नपत्र-5 एक और द्रोणाचार्य–शंकर शेष</td></tr>
<tr><td>कोर्स लेबल</td><td>200</td></tr>
<tr><td>क्रेडिट</td><td>4 क्रेडिट</td></tr>
<tr><td>टोटलइंगेजमेंट</td><td>4 Credits X 15 Hours=60 Hours</td></tr>
<tr><td>टीचिंग/सप्ताह</td><td>4लेक्चर/सप्ताह</td></tr>
<tr><td>मिनिममवीक्स/ सेमेस्टर</td><td>15(Including class work, Examination, Preparation, Holidays etc.)</td></tr>
<tr><td>प्रभावीवर्ष</td><td>2025-26 से</td></tr>
<tr><td>पाठ्यक्रम का उद्देश्य Purpose of Course/ Course Objective</td><td>1. भारतीय नाटक के उद्भव और विकास को समझाना ।
2.शंकर शेष के व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय देना।
3. नाटक 'एक और द्रोणाचार्य' के कथानक, पात्रों, संवाद-योजना, तथा उसके सामाजिक और शैक्षिक मुद्दों का विश्लेषण प्रस्तुत कराना।</td></tr>
<tr><td>पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)</td><td>Co 1. विद्यार्थी 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की समस्याओं, पात्रों और शिक्षा व्यवस्था पर उसकी टिप्पणी को समझ पाएंगे।
Co 2. विद्यार्थी नाटक की संवाद-योजना, भाषा, उद्देश्य और रंगमंचीयता को भी विश्लेषित करने में सक्षम होंगे।
Co 3. विद्यार्थी नाटक में वर्णित व्यवस्था एवं बुद्धिजीवी वर्ग के संघर्ष को समझने में सक्षम होंगे।</td></tr>
<tr><td>मैपिंग COs with PSOs</td><td>
<table>
<tr><td></td><td>PSO1</td><td>PSO2</td><td>PSO3</td></tr>
<tr><td>CO1</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>CO2</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>CO3</td><td></td><td></td><td></td></tr>
</table>
</td></tr>
<tr><td>Pre-requisite</td><td>HINDI</td></tr>
<tr><td>पाठ्यक्रम</td><td>इकाई-1भारतीय साहित्य में नाटक का उद्भव और विकास
शंकर शेष का : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की कथा
'एक और द्रोणाचार्य' नाटक में चित्रित समस्याएँ
'एक और द्रोणाचार्य' नाटक में वर्तमान शिक्षण व्यवस्था</td><td>16</td></tr>
<tr><td></td><td>इकाई-2 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक के प्रमुख पात्र(अरविंद,</td><td>16</td></tr>
</table>

	विमलेंदु, अनुराधा आदि)	
	इकाई-3 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक के गौण पात्र 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की संवाद-योजना 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक में देशकाल	14
	इकाई-4'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की भाषा 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक का उद्देश्य 'एक और द्रोणाचार्य'में व्यवस्था एवं बुद्धिजीवी का संघर्ष 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक का रंगमंचियता	14
अंक-विभाजन कुल गुण-50	प्रश्न-1. बहुविकल्पी प्रश्न (10) एक अंक का एक- बहुविकल्पी प्रश्न (10x 1= 10 अंक) प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रत्र (14x 2 = 28अंक) प्रश्न-4. (अ) इकाई 3 और 4 से एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6x1 = 6 अंक) (ब)पठित नाटक से एक संदर्भ व्याख्या का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6x1 = 6 अंक)	
सहायक-ग्रंथ	1.'एक और द्रोणाचार्य'- शंकर शेष लोकभारती प्रकाशन 2. हिंदी नाटक: आज तक –डॉ.वीणागौतम 3.समकालीन हिंदी नाटकों में चित्रित-सृष्टी–डॉ.जयदेव तनेजा 4.आज का हिंदी नाटक प्रगति और प्रभाव- डॉ.दशरथ ओझा 5.समकालीन हिंदी नाटक -डॉ.गीरीश रस्तोगी 6.हिंदी नाटक –बच्चन सिंह	
ई-लर्निंगस्रोत	1. https://cec.nic.in/cec/ 2. https://epathshala.nic.in/ 3. https://swayam.gov.in/	
शिक्षण प्रविधि	व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा	
मूल्यांकन पद्धति	50% CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation)-Formative& 50% SEE(Semester End Evaluation)Summative	

[Subject Code-2501001206040304]

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय,सूरत

Undergraduate Program in Hindi

Degree Course(B.A.)

Semester-6 Hindi Minor -6

सेमेस्टर-6

प्रश्नपत्र-6 हिंदी उपन्यास - झाँसी की रानी – श्री वृंन्दावनलाल वर्मा

कोर्सकोड	
कोर्स शीर्षक	प्रश्नपत्र-6 झाँसी की रानी – श्री वृंन्दावनलाल वर्मा
कोर्स लेबल	200
क्रेडिट	4 क्रेडिट
टोटलइंगेजमेंट	4 Credits X 15 Hours=60 Hours
टीचिंग/सप्ताह	4लेक्चर/सप्ताह
मिनिममवीक्स/ सेमेस्टर	15(Including class work, Examination, Preparation, Holidays etc.)
प्रभावीवर्ष	2025-26 से
पाठ्यक्रम का उद्देश्य Purpose of Course/ Course Objective	1.भारतीय साहित्य में उपन्यास के उद्भव और विकास को समझाना। 2.वृन्दावनलाल वर्मा के व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय देना। 3. 'झाँसी की रानी' की कथावस्तु, ऐतिहासिकता, पात्रों, भाषा, और नारी सशक्तिकरण पर विश्लेषण प्रस्तुत करना है।
पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)	Co1 विद्यार्थी 'झाँसी की रानी' उपन्यास की ऐतिहासिकता, नारी सशक्तिकरण, संवाद-योजना, और वातावरण को समझेंगे। Co 2. विद्यार्थी उपन्यास के प्रमुख और गौण पात्रों के माध्यम से सामाज की दशा को विश्लेषित करने में सक्षम होंगे। Co 3. विद्यार्थीउपन्यास के शीर्षक की सार्थकता, भाषाऔर उद्देश्य को भी समझने में सक्षम होंगे।
मैपिंग COs with PSOs	<table><tr><th></th><th>PSO1</th><th>PSO2</th><th>PSO3</th></tr><tr><td>CO1</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO2</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO3</td><td></td><td></td><td></td></tr></table>
Pre-requisite	HINDI
पाठ्यक्रम	**इकाई-1** भारतीय साहित्य में उपन्यास का उद्भव और विकास वृंन्दावनलाल वर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व 'झाँसी की रानी ' उपन्यास की कथावस्तु — 16

	इकाई-2 'झाँसी की रानी ' उपन्यास की ऐतिहासिकता 'झाँसी की रानी' उपन्यास के प्रमुख पात्र	16
	इकाई-3 'झाँसी की रानी' उपन्यास के गौण पात्र 'झाँसी की रानी' उपन्यास की संवाद-योजना 'झाँसी की रानी' उपन्यास में वातावरण 'झाँसी की रानी' उपन्यास में नारी सशक्तिकरण	14
	इकाई-4'झाँसी की रानी' उपन्यास की भाषा 'झाँसी की रानी' उपन्यास का उद्देश्य 'झाँसी की रानी' :शीर्षक की सार्थकता	14
अंक-विभाजन कुल गुण-50	प्रश्न-1. बहुविकल्पी प्रश्न(10) एक अंक का एक- बहुविकल्पी प्रश्न (10x 1= 10 अंक) प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रत्र (14x 2 = 28अंक) प्रश्न-4. (अ) इकाई 3 और 4 से एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6x1 = 6अंक) (ब)पठित उपन्यास से एक संदर्भ व्याख्या का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6x1 = 6अंक)	
सहायक-ग्रंथ	1.'झाँसी की रानी'- श्री वृंन्दावनलाल वर्मा,प्रभात प्रकाशन 2. हिंदी उपन्यास का इतिहास–डॉ.गोपल राय 3.हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा–रामदरश मिश्र 4. हिंदी उपन्यास स्थिति और गति- चंद्रकांत बांडिवडेकर 5. हिंदी साहित्य में रूपक-कथा-काव्य:उद्भव और विकास-डॉ.नूरजहाँ बेगम 6.आधुनिकता से आगे नरेश महेता –मीरा श्रीवास्तव	
ई-लर्निंगस्त्रोत	1. https://cec.nic.in/cec/ 2. https://epathshala.nic.in/ 3. https://swayam.gov.in/	
शिक्षण प्रविधि	व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा	
मूल्यांकन पद्धति	50% CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation)-Formative& 50% SEE(Semester End Evaluation)Summative	